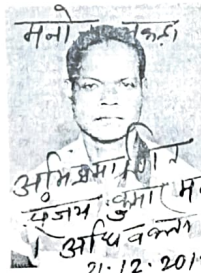


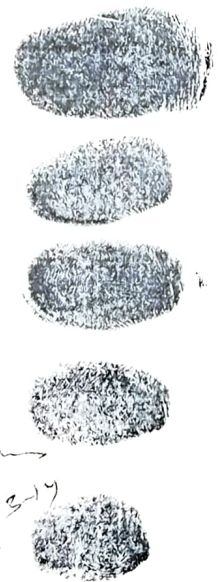
1191

1183



मनोज लकड़ा  
 अभिप्रमाणित  
 राजम कुमा महर्ज  
 अधिवक्ता  
 21.12.2019

1183 401504



मनोज लकड़ा  
 21.12.13

मनोज लकड़ा  
 480/2013  
 23/12

21/12/13  
 With the permission  
 of the Court  
 Judge Comd 2387/13-14  
 dated 29-11-13

118 लेख्यकारी:- श्री मनोज लकड़ा पिता स्व० जोहल लकड़ा  
 जाति- उराँव, पेशा- खेतोबारी, निवास ग्राम- गौतरा,  
 थाना- तिमडेगा, जिला- तिमडेगा । .. विधेता ।

सपथ-पत्र संख्या:- 802/2013

122 लेख्यधारी:- श्री लिनस टोप्यो पिता श्री जोसेफ टोप्यो  
 जाति- उराँव, पेशा- खेतोबारी, निवास ग्राम- लोमड़ा  
 तुलजाटीला, थाना- तिमडेगा, जिला- तिमडेगा ।

.. भारतीय नागरिक .. कृता ।

सपथ-पत्र संख्या:- 803/2013

133 लेख्यप्रकार:- विक्रय पत्र केवाला वैरा कलामो पुत्र पुत्रादिक  
 मदा दिन वास्ते बिक्री होता है ।

मनोज लकड़ा  
 तिमडेगा  
 21/12/2013



--2--

1-1 मूल्य:- मोबलिंग दो लाख अठासी हजार रुपये जके  
2,38,000/- रुपये होता है।

1-2 सम्पत्ति:- एरा जियात अन्दर मौजा- गौतरा, थाना- सिमडेगा,  
थाना नं० ००, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला- सिमडेगा के खाता  
नं० ०० १५५५ सी १ प्लॉट नं० 5223 १ बावन साँ तेईस १ रकबा 3.51  
एकड़ में से 0.10 एकड़ १ दस डिगामिल १ जिसको चॉट्टी:-

उत्तर:- बिरजिट तिकी का घेरा,

दक्षिण:- इसी प्लॉट का अंश नोज बिक्रेता,

पूरब :- इसी प्लॉट में छोड़ा गया 10' का कच्चा रास्ता,

बश्चिम:- वालटर तिकी का घेरा ।

नालगुजारी 05 पसा १ पाँच पसा १ अलावे सेस सालाना ।

वर्णित बिक्रीत जमीन जावासीय है जिसपर मकान या किसी प्रकार  
का निर्माण नहीं है ।

1-3 चूँकि मुझ लेख्यकारी को इस समय मकान निर्माण करने हेतु  
रुपयों की जरूरत पड़ी जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे वगैर सम्भव न  
हुई और तब मैंने लेख्यधारी से मेरी जमीन को खरीदने का प्रार्थना  
किया जिसे उन्होंने खरीदना एवं रुपये देना स्वीकार किया ।

1-4 इसलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में  
रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उपर्युक्त लेख्यधारी  
के हाथ नगद कोमत चुकता पाकर बेचा वो बेची गई जमीन का कुल

मनोज लकडा  
६.१२.१३

पश्चिम के रकबा  
शिला - मुबिन्स के रकबा  
ग्राम - सिधौ राती  
कोट - का बिक्रीत - सिमडेगा  
७/१२/१३





--3--

हक दखल वी अधिकार उक्त लेखधारो वी उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेवो गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

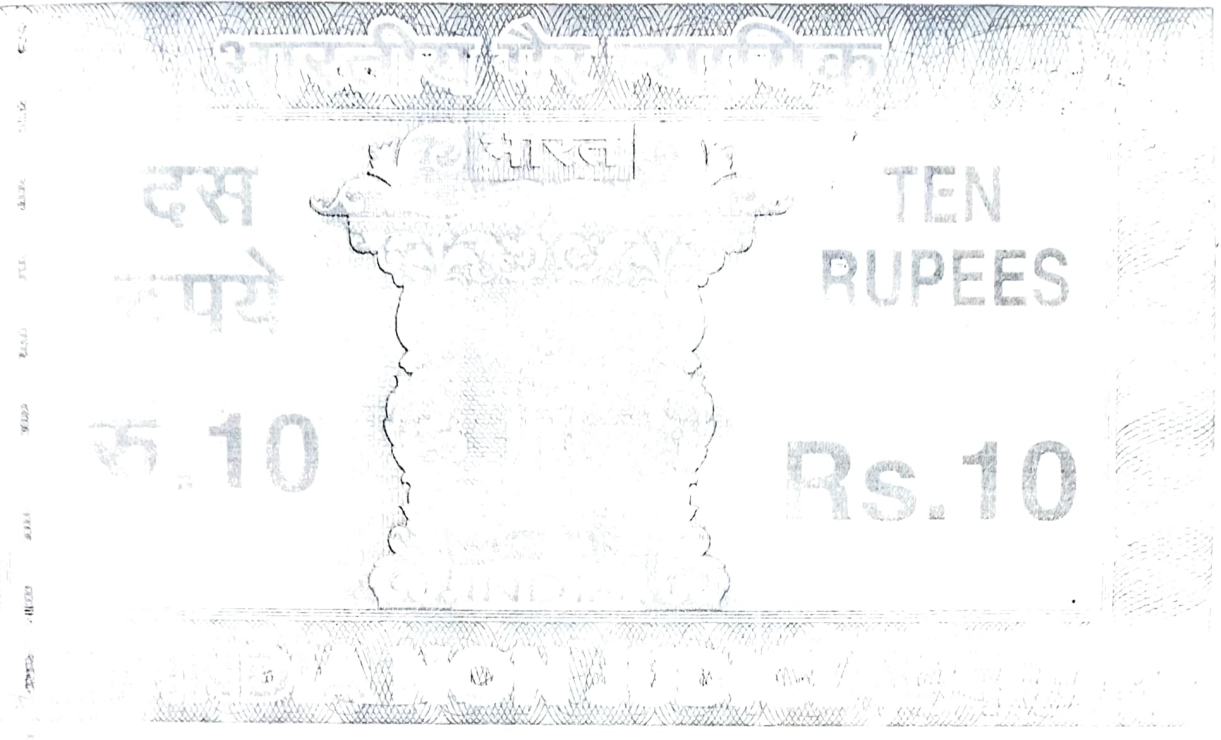
४३४ मैं प्रतीका करता हूँ कि वणित बिक्रीत जमीन हारो जातिथानी है जो आर.एम. में डौम्बा उराँव के नाम से नाप दर्ज है जो मेरे दादा थे । मेरे दादा एवं पिता की मृत्यु हो चुकी है उनकी मृत्यु के पश्चात् उपरोक्त जमीन मुझे उत्तराधिकार के हेतु प्राप्त है जिसपर मेरा निर्विवाद हक दखल वी कब्जा है तथा किसी प्रकार का झगडा झंझट या वारदेन नहीं है । मालगुजारी रसीद मेरे बड़े पिता पालुम उराँव के नाम से बटनी है।

४३५ चूँकि हम उभय पक्ष आदवाणी समुदाय के सुरक्षित सदस्य हैं अतः जमीन खरोद बिग्री हेतु अनुमति के लिए न्यायालय रोमात ३९ स्याहल्लरि भूमि सुधार, सिमडेगा के न्यायालय में हो जनागपुर कारखानो अधिनियम की धारा ५० के तहत आवेदन किया जिसका बाब संख्या ३८७/२०१३-१४ है जिसको रवोकृति दिनांक २९.११.२०१३ को प्राप्त हुई जजका मेमो नं० १५३५६/१३ दिनांक २९.११.२०१३ है।

४३६ अब वादिस एक लेखधारो अपनी जमीन पर जायज को

मनीज (अकड.)  
२१/१२/१३

जमीन रोमात सुधर  
दिना. सं. २९/११/१३  
मालगुजारी सुधार (सि.म.डि.ग.)  
जो. नो. ५५५ - सिमडेगा  
दिना. सं. २९/११/२०१३



---4---

1242 932592

दखलकार होकर मकान, गहन, कुआ, बाग इत्यादि बनाकर अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल अधिकारी, सम्मडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खातरज कराकर तारीख लेख्य से वो अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

१६१ इसलिय यह विक्रय पत्र केवाला बैला कलामो सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

में, घोषणा करता हूँ कि विक्रय वाली जमीन भू-हदबन्दो, केसरे हिन्द, खास महल, भू-दान, सेरात, लोज, आम गैर मजूर आ से सम्बन्धित नहीं है ।

मनीज (बाक),  
21.12.13



मैं लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि बिक्रीत जमीन को बचत जमीन रीमलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

मनोज लकड़ा  
21.12.13



प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यकारी के बाँधे हाथ का पाँचा अंगुलियों का दाप मेरे समक्ष किया गया ।

सत्य कुमार मल्लिक

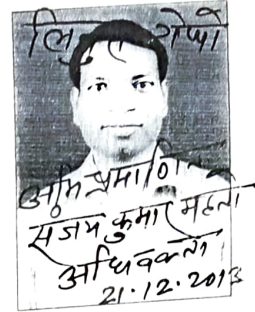
अभिषेक

21.12.2013

मनोज लकड़ा  
21.12.13

में लेख्यधारो यह घोषणा करता हूँ कि पूर्व में धारित जमोन वो खरोदगो के बाद कुल धारित जमोन सिलिंग के अन्तर्गत नहों आता है ।

विनुरस लीप्या  
21/12/13



प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यधारो के वापे हाथ का पांचों उंगुलिया का दाय मेरे समक्ष लिखा गया ।

सजय कुमार महता  
अधिवक्ता  
21.12.2013

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

मनीज लकडा  
21.12.13

सहो/- सजय कुमार महता  
अधिवक्ता

प्रारूपकर्ता  
तारीख:- 21.12.2013

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल 8 पृष्ठों में कुल 628 शब्द टंकित हैं जो छड़न रहित वो नक्शा के साथ संलग्न है ।

कंक  
श्री० महबूब  
21.12.2013  
मो० महबूब  
कचहरो परिसर,  
सिमडेगा ।



ORDER

Commission has been granted Sri मनीष लक्ष्मी

S/o. Who एवम जाहंग लक्ष्मी Village गोहरा  
 P.S. सिमडेगा District Simdega to transfer the following land to  
 Sri लिनूज रौप्य S/o. Who श्री जोगेंद्र रौप्य  
 Village सोडास कुबल रौप्य P.S. आमडा District Simdega  
 by the L.R.D.C. Simdega in his order dated 29/11/2013 in Rev. : case No.  
387 of 2013-14


U.S 46 C.N.T Act:

| Village | Thana   | Thana No. | Khata No. | Plot No. | Area (in acres)          | Value for sale | दण्ड                  |
|---------|---------|-----------|-----------|----------|--------------------------|----------------|-----------------------|
| गोहरा   | सिमडेगा | 80        | 86        | 5223     | 0.10485<br>(3.518 हे.क.) | ₹ 88,000/-     | आवासीय<br>कायदा<br>मस |

नोंदणी:-

- उत्तर:- बिरजिर तिर्की का घेरा
- दक्षिण:- इली-लोर का अंश नीज विक्रम
- पूरव:- इली-लोर में दोर गमा 10' का कच्चा रास्ता
- पश्चिम:- कालर तिर्की का घेरा

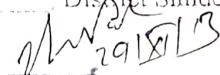


  
 उप सभाहता  
 Sd मनीष लक्ष्मी सिमडेगा  
 L.R.D.C., Simdega

Memo No 1434(11) /Rev. Dated, (Simdega the 29/11/2013)

Copy forwarded to the Sub-Registrar, Simdega and Sri मनीष लक्ष्मी  
पिता एवम जाहंग लक्ष्मी

Village गोहरा P.S. आमडा District Simdega  
 for information and needful

  
 उप सभाहता  
 सिमडेगा